Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding Air pollution and Water polluition in Delhi.

श्री हंस राज हंस (उत्तर-पश्चिम दिल्ली): सर, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, उसके लिए बहुत-बहुत शुक्रिया । मेरा दु:ख साझा ही है, दिल्ली में बड़े अरमानों से आए थे । मैंने कहा यहाँ सियासी रहनुमा हैं और बहुत अच्छे लोग हैं । संगीतकार भी हैं, उस्ताद अमजद अली खां, पंडित राजन मिश्रा, साजन मिश्रा, उस्ताद चरणजीत आहूजा, सारे के सारे कलाकारों की ओर से एक विनती है, उनकी राग दरबारी खतरे में हैं । सब के गले प्रदूषित हवा से और गंदे पानी से खराब हो रहे हैं । सुर नहीं लग रहा है । सूर रूठ गए हैं । अगर संगीत रूठ गया, कहते हैं-

जग में अगर संगीत न होता, कोई किसी का मीत न होता ।

यह अहसान है सात सुरों का, कि दुनिया वीरान नहीं है ।

सुर-संगीत को बचाओ, शुद्ध हवा देने के लिए और पानी का दोबारा टेस्ट कराओ ।

इसमें कुछ करो । जैसे पासवान साहब ने और माननीय अध्यक्ष जी ने बोला है । सर, मेरा भी सुर खराब हो रहा है । भगवंत जी ने जो संगरूर वाली बात कही, बहुत दु:खदायी घटना है । इस दौर में गैर इंसानी जो बिहेव हुआ है, उसको नोटिस में लिया जाए ।

माननीय सभापति : हंस जी, एक बार में एक ही विषय । आपका वह विषय हो गया ।

श्री हंस राज हंस: बहुत-बहुत शुक्रिया । मेरा यही अर्ज है कि राग दरबारी खतरे में हैं । कहां अमीरो गालिब, सियासी पंडितों की बस्ती, कहां यह सियासी फकीरों

की बस्ती । थोड़ा फर्क पड़ गया है, इसको सुधारो । बहुत-बहुत शुक्रिया ।

माननीय सभापति : स्वर जरूर बचाए जाने चाहिए ।

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री हंस राज हंस द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।